सुझावात्मक अंक योजना

अभ्यास प्रश्न पत्र

कक्षा-10

सत्र-II

सामाजिक विज्ञान (087)

सामान्य निर्देश:

1. **यह अंक योजना NCERT पाठयपुस्तकों पर आधारित है |**
2. **यह अंक योजना केवल सुझावात्मक है |**
3. **दुविधा की स्थिति में NCERT पाठ्यपुस्तकों की सहायता लें |**
4. **विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उचित स्थान दें |**

1. सविनय अवज्ञा आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका-

(i) महिलाओं ने बड़े पैमाने पर आन्दोलन में हिस्सा लिया |

(ii) गांधीजी के नमक सत्याग्रह के दौरान महिलायें उनकी बात सुनने के लिए घर से बाहर आ जाती थीं |

(iii) महिलाओं ने जुलूसों में हिस्सा लिया, नमक बनाया, विदेशी कपड़ों व शराब की दुकानों की पिकेटिंग की | बहुत सारी महिलाएँ जेल भी गईं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

2. रसायन उद्योग का महत्व-

(i) सकल घरेलु उत्पाद में लगभग 3 प्रतिशत की भागीदारी है |

(ii) अकार्बनिक रसायनों का उर्वरक, कृत्रिम वस्त्र, प्लास्टिक, गोंद, रंग-रोगन, डाई, काँच, साबुन आदि में प्रयोग होता है |

(iii) कार्बनिक रसायनों में पेट्रोरसायन शामिल हैं जो कृत्रिम वस्त्र, कृत्रिम रबर, प्लास्टिक, दवाइयाँ आदि में प्रयोग होता है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

3. भारत में राजनीतिक दलों में सुधार के उपाय-

(i) दल-बदल कानून को मजबूत करने की जरुरत है |

(ii) राजनीतिक दलों के आन्तरिक कामकाज को व्यवस्थित करने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए |

(iii) राजनीतिक दल महिलाओं को एक खास अनुपात में जरुर टिकट दें |

(iv) चुनाव का खर्च सरकार उठाए |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

4. (1) बैंकों द्वारा दिया गया ऋण - (B) औपचारिक स्रोत

(2) वस्तु के बदले वस्तु का लेन-देन- (C) वस्तु विनिमय

5. सीमांत सड़कों का महत्त्व-

(i) सीमांत सड़कों का उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों में सामरिक महत्व है |

(ii)इन सड़कों के विकास से दुर्गम क्षेत्रों में अभिगम्यता बढ़ी है |

(iii)ये सड़कें इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास में सहायक हुई हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

6.वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव-

(i) वैश्वीकरण से उत्पादकों- स्थानीय और विदेशी दोनों, के बीच वृहतर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं, विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है | इन उपभोक्ताओं के समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अब अनेक उत्पादों की उत्कृष्ट गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं |

(ii) बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के निवेश के कारण नए रोजगार के अवसर उत्पन्न हुए हैं |

(iii)अनेक भारतीय कम्पनियाँ भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रूप में उभरी हैं | जैसे- टाटा मोटर्स, इनफ़ोसिस, रैनबैक्सी इत्यादि |

(iv)वैश्विकरण ने सेवा प्रदाता कंपनियों विशेषकर सुचना और संचार प्रौद्योगिकी वाली कंपनियों के लिए नए अवसरों का सृजन किया है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

(i) वैश्वीकरण-विभिन्न देशों के बीच परस्पर सम्बन्ध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया को वैश्विकरण कहते हैं |

(ii) विभिन्न देशों के बीच अधिक से अधिक वस्तुओं और सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान हो रहा है | इससे विगत कुछ दशकों में विश्व के अधिकांश भाग एक-दूसरे के अपेक्षाकृत अधिक संपर्क में आ गए हैं |

(iii) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रही हैं |

(iv) पिछले कुछ दशकों में लोगों का विभिन्न देशों के बीच आवागमन बढ़ा है | इससे भी विभिन्न देश एक दूसरे के साथ जुड़ गए हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

7. असहयोग आन्दोलन के कारण-

(i) प्रथम विश्वयुद्ध के कारण भारत में करों की वृद्धि, कीमतों का तेज़ी से बढ़ना, जबरन भर्ती , खाद्य समस्या इत्यादि |

(ii) रॉलट सत्याग्रह एवं जलियाँवाला हत्याकांड के कारण व्यापक गुस्सा |

(iii)तुर्की पर कठोर संधि थोपे जाने की अफवाहें; इसके बाद मोहम्मद अली और शौकत अली के साथ साथ कई युवा मुस्लिम नेताओं ने संयुक्त जनकार्रवाई की संभावना तलाशने पर गांधीजी के साथ चर्चा शुरू कर दिया था | (खिलाफत आन्दोलन)

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

8. लोकतंत्र और आर्थिक असमानता-

(i)1950 से 2000 के बीच सभी लोकतान्त्रिक शासनों और तानाशाहियों के कामकाज की तुलना करने पर आर्थिक संवृद्धि के मामले में तानाशाहियों का रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर है |

(ii) लेकिन, केवल इसी आधार पर लोकतंत्र को ख़ारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि आर्थिक विकास कई कारकों जैसे-देश की जनसँख्या का आकार, वैश्विक स्थिति, अन्य देशों से सहयोग और देश द्वारा तय की गयी आर्थिक प्राथमिकताओं पर भी निर्भर करता है |

(iii)हालाँकि, लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएँ आर्थिक असमानताओं को कम करने में ज़्यादा सफल नहीं हुई हैं लेकिन इसके बावजूद लोकतान्त्रिक व्यवस्थाएँ ही बेहतर हैं क्योंकि इसके अन्य कई सकारात्मक फायदे हैं |

(iv)भारत जैसे लोकतान्त्रिक देश में गरीबी लगातार घटी है | मध्य वर्ग की आय बढ़ी है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

9. (i) बड़े समाजों के लिए प्रतिनिधित्व आधारित लोकतंत्र की जरुरत होती है |

(ii) जब समाज बड़े और जटिल हो जाते हैं तब उन्हें विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग विचारों को समेटने और सरकार की नज़र में लाने के लिए किसी माध्यम या एजेंसी की जरुरत होती है |

(iii)विभिन्न जगहों से आये प्रतिनिधियों को साथ करने की जरुरत होती है ताकि एक जिम्मेवार सरकार का गठन हो सके |

(iv)सरकार का समर्थन या उस पर अंकुश रखने, नीतियाँ बनवाने और नीतियों का समर्थन अथवा विरोध करने के लिए उपकरणों की जरुरत होती है |

(v)प्रत्येक प्रतिनिधि-सरकार की ऐसी जो भी जरूरतें होती हैं, राजनीतिक दल उनको पूरा करते हैं |

(vi)राजनीतिक दल चुनाव लड़ने, सरकार बनाने, कानून निर्माण, जनमत निर्माण आदि में निर्णायक भूमिका निभाते हैं | राजनीतिक दल लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

वर्तमान में राजनीतिक दलों के समक्ष चुनौतियाँ –

(i) पार्टी के भीतर आन्तरिक लोकतंत्र का न होना एक बड़ी चुनौती है । इससे सारी ताकत एक या कुछेक नेताओं के हाथ में सिमट जाती है ।
(ii) वंशवाद की चुनौती- इसके कारण अनेक दलों में शीर्ष पड़ हमेशा एक ही परिवार के लोग आते हैं ।
(iii) पार्टियों में पैसा और अपराधी तत्वों की घुसपैठ भी बढती जा रही है |
(iv) पार्टियों के बीच बढ़ती विकल्पहीनता की स्थिति भी राजनीतिक दलों के समक्ष एक बड़ी चुनौती है | हाल के वर्षों में दलों के बीच वैचारिक अंतर कम होता जा रहा है |
(v) कई बार लोगों के पास एकदम नया नेता चुनने का विकल्प भी नहीं होता क्योंकि वही थोड़े से नेता हर दल में आते-जाते रहते हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

10. बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा साख गतिविधियों को बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि-

(i) अनौपचारिक क्षेत्रक के द्वारा दिया गया ऋण की ब्याज दर अधिक होती है जबकि बैंक एवं सहकारी समितियों (औपचारिक क्षेत्रक) के द्वारा दिए गए ऋण की ब्याज दर अपेक्षाकृत काम होती है |

(ii)लोग कम ब्याज दर पर क़र्ज़ लेकर उद्यम शुरू कर सकते हैं जिससे उनकी आय बढ़ेगी |

(iii) बहुत से लोग अपनी विभिन्न जरूरतों के लिए सस्ता क़र्ज़ ले सकेंगे |

(iv)वे फ़सल उगा सकते हैं, कोई कारोबार कर सकते हैं, छोटे उद्योग इत्यादि लगा सकते हैं |

(v) वे नया उद्योग लगा सकते हैं या वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं | सस्ता एवं सामर्थ्य के अनुकूल क़र्ज़ देश के विकास के लिए अति आवश्यक है |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

अथवा

भारत की जनता अभी भी ऋण के लिए अनौपचारिक क्षेत्रक पर निर्भर है क्योंकि-

(i) भारत के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण के औपचारिक क्षेत्रक (बैंक एवं सहकारी समितियाँ) मौजूद नहीं हैं | जहाँ कहीं बैंक मौजूद भी हैं, बैंक से क़र्ज़ लेना अनौपचारिक स्रोत से क़र्ज़ लेने की तुलना में ज़्यादा मुश्किल है |

(ii) बैंक से क़र्ज़ लेने के लिए ऋणाधार और विशेष कागजातों की जरुरत पड़ती है |

(iii) ऋणाधार की अनुपलब्धता एक प्रमुख कारण है, जिससे गरीब बैंकों से ऋण नहीं ले पाते |

(iv) दूसरी ओर, अनौपचारिक ऋणदाता जैसे साहूकार इन कर्जदारों को व्यक्तिगत स्तर पर जानते हैं और इस कारण अक्सर बिना ऋणाधार के भी ऋण देने के लिए तैयार हो जाते हैं |

(v) कर्जदार जरुरत पड़ने पर पुराना ऋण चुकाए बिना भी, नया क़र्ज़ ले सकते हैं |

(कोई अन्य महत्वपूर्ण बिंदु)

11.1 – डोमिनियन स्टेटस का अर्थ था ब्रिटिश शासन के अन्दर ही सवैंधानिक व्यवस्था |

11.2 –भारत के भावी संविधान पर चर्चा करने के लिए गोलमेज सम्मलेन का आयोजन किया गया था |

11.3- 1929 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज की माँग को औपचारिक रूप से मान लिया गया | इस अधिवेशन में यह तय किया गया कि 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाएगा और उस दिन लोग पूर्ण स्वराज के लिए संघर्ष की शपथ लेंगे |

12.1-कांडला पत्तन का विकास स्वतंत्रता के बाद करांची पत्तन की कमी को पूरा करने तथा मुंबई से होने वाले व्यापारिक दवाब को काम करने के लिए किया गया था |

12.2- मुंबई पत्तन की अधिक परिवहन को ध्यान में रखते हुए इसके सामने जवाहरलाल नेहरु पत्तन विकसित किया गया जो इस पुरे क्षेत्र को एक समूह पत्तन की सुविधा भी प्रदान कर सके |

12.3- पत्तन देश के व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | भारत का 95 प्रतिशत विदेशी व्यापार पत्तन द्वारा संचालित होता है |

13. मानचित्र कार्य-

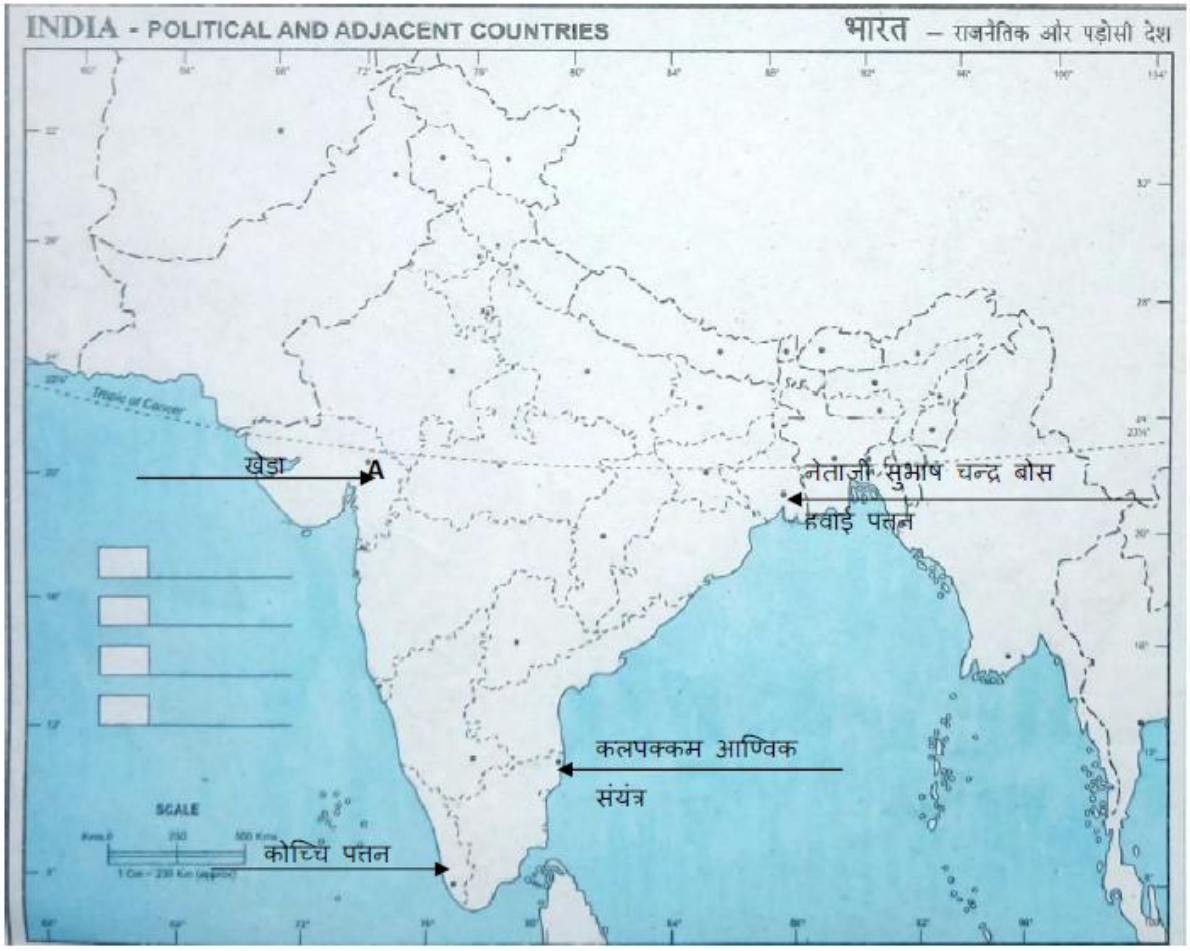

केवल दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए

13.1- (A) खेड़ा (गुजरात)

13.2- (i)तमिलनाडु

(ii)पश्चिम बंगाल

(iii)केरल